प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज–211010

बी0ए0 हिन्दी भाषा (Hindi Language) पाठ्यक्रम

(सत्र : 2024–25 से आगे)

स्नातक पाठ्यक्रम के प्रश्नपत्रों के वर्षवार प्रश्न–पत्र (Hindi Language)

वर्ष	सेमेस्टर	कोर्स कोड	प्रश्न–पत्र शीर्षक	लिखित / प्रयोगात्मक	क्रेडिट	अधिकतम अंक (100)	
						आन्तरिक	बाह्य
प्रथम वर्ष	प्रथम	**A390101T**	हिन्दी भाषा का विकासात्मक परिचय	लिखित	5	25	75
	द्वितीय	**A390201T**	हिन्दी का व्याकरणिक स्वरूप	लिखित	5	25	75
द्वितीय वर्ष	तृतीय	**A390301T**	प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप	लिखित	5	25	75
	चतुर्थ	**A390401T**	हिन्दी की आधुनिक गद्य विधायें	लिखित	5	25	75
तृतीय वर्ष	पंचम	**A390501T**	संचार माध्यमों में हिन्दी प्रयोग	लिखित	5	25	75
	पंचम	**A390502T**	अनुवाद–सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक परिचय	लिखित	5	25	75
	षष्ठ	**A390601T**	हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग परिचय	लिखित	5	25	75
	षष्ठ	**A390602T**	लोकभाषा एवं साहित्य	लिखित	5	25	75

(अध्ययन परिषद द्वारा अनुमोदित – दिनांक : जून, 2024)

उद्देश्य :–

- छात्रों में भाषा को समझने तथा मूल्यांकन करने की दृष्टि बढ़ाना।
- संविधान में उल्लिखित भाषाओं का परिचय कराना।
- शब्द संरचना प्रक्रिया के प्रति छात्रों का ध्यानाकर्षण कराना।
- साहित्यिक कृतियों का विविध दृष्टियों से विवेचन–विश्लेषण, आस्वादन तथा समीक्षा करने की दृष्टि देना।
- छात्रों को प्रयोजनमूलक हिन्दी की व्यापकता से अवगत कराना।
- हिन्दी भाषा की व्यावहारिक उपयोगिता का परिचय देना।
- हिन्दी भाषी क्षेत्रों का ज्ञान कराना।

हिन्दी भाषा

बी0ए0 प्रथम वर्ष (सेमेस्टर–I)

प्रश्न–पत्र : हिन्दी भाषा का विकासात्मक परिचय

क्रेडिट–5 पूर्णांक–100

01– अपभ्रंश और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध।

02– हिन्दी की उपभाषाओं का सामान्य परिचय।

03– काव्य भाषा के रूप में हिन्दी का विकास :–

अ. अवधी का विकास

ब. ब्रज का विकास

स. खड़ी बोली का विकास

04– राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास –

अ. खड़ी बोली का सम्पर्क भाषा के रूप में विकास

ब. राजभाषा : तात्पर्य एवं महत्व

स. राष्ट्रभाषा हिन्दी की समस्यायें

05– देवनागरी लिपि –

अ. संक्षिप्त इतिहास।

ब. वैज्ञानिकता।

स. सीमायें और सम्भावनायें।

द. वर्तमान सन्दर्भ में सार्थकता।

सन्दर्भ पुस्तकें :–

01– हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास–उदय नारायण तिवारी

02– नागरी लिपि और उसकी समस्यायें–नरेश मिश्र

03– नागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी–बिहार हिन्दी ग्रन्थ, अकादमी, पटना

04– राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीय एकता–दिनकर, उदयांचल, पटना

05– राजभाषा के आन्दोलन में–राजनारायण दुबे, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

06– राष्ट्रभाषा और हिन्दी–राजेन्द्र मोहन भटनागर, के0हि0 संस्थान, आगरा

07– भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा–डॉ0 रामदरस राय–भवदीय प्रकाशन, अयोध्या

हिन्दी भाषा

बी0ए0 प्रथम वर्ष (सेमेस्टर–II)

प्रश्न पत्र : हिन्दी का व्याकरणिक स्वरूप

क्रेडिट – 5 पूर्णांकः 100

पाठ्य विषय

01– हिन्दी ध्वनियों का स्वरूप–

क– स्वर और व्यंजन

ख– संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण

ग– वाक्य संरचना

02– हिन्दी शब्द समूह–

03– हिन्दी शब्द संरचना – पर्यायवाची, समानार्थक, विलोमार्थक, अनेकार्थक, अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द समूहार्थक शब्दों के प्रयोग निकटार्थी शब्दों के सूक्ष्म अर्थ–भेद, समानार्थक शब्दों के भेद।

04– लिंग विधान और कारक प्रयोग –

क– वर्तनी।

ख– विरामादि चिन्हों के प्रयोग।

ग– मुहावरें और लोकोक्तियों तथा उनके रचनात्मक प्रयोग।

05– उपसर्ग, प्रत्यय

सन्दर्भ पुस्तकें :–

01– राजभाषा हिन्दी–गोविन्ददास–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

02– राष्ट्रभाषा आन्दोलन–गोपाल परशुराम–महाराष्ट्र सभा।

03– विराम चिन्ह – महेन्द्र राजा जैन–किताबघर, दिल्ली।

हिन्दी भाषा

बी0ए0 द्वितीय वर्ष (सेमेस्टर–III)

प्रश्न–पत्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप

क्रेडिट – 5 पूर्णांकः 100

01– प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा एवं विकास।

02– टिप्पणी, आलेखन।

03– हिन्दी पत्राचार–

क. कार्यालयी, पत्राचार।

ख. वाणिज्यिक पत्राचार।

04– पारिभाषिक शब्दावली का सैद्धान्तिक परिचय, व्यवहार।

05– संक्षेपण एवं पल्लवन।

सन्दर्भ पुस्तकें :–

01– प्रयोजनमूलक हिन्दी–रामप्रकाश, राधाकृष्ण, प्रकाशन, दिल्ली।

02– प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग, रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

03– प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिन्दी – रामप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

04– हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप– कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

05– प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी– कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

06– प्रशासनिक हिन्दी टिप्पण, प्रारूपण एवं पत्र लेखन– हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

07– आधुनिक व्याकरण एवं रचना – वासुदेव नन्दन प्रसाद, पटना।

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज–211010

हिन्दी भाषा

बी0ए0 द्वितीय वर्ष (सेमेस्टर–IV)

प्रश्न–पत्र : हिन्दी की आधुनिक गद्य विधायें

क्रेडिट – 5 पूर्णांकः 100

पाठ्य विषय –

गद्य विधा नामक संकलन बनाया जायेगा जिसमें निम्नलिखित विधायें समायोजित की जायेंगी।

01– कहानी–प्रेमचन्द–बड़े भाई साहब

02– रेखाचित्र– महादेवी वर्मा–गिल्लू

03– संस्मरण– काशीनाथ सिंह– घर का जोगी जोगड़ा

04– रिपोर्ताज– फणीश्वरनाथ रेणु– ऋण जल धन जल

05– यात्रावृत्तांत– अज्ञेय– अरे यायावार रहेगा याद का एक अंश

06– डायरी– रघुवीर सहाय– दिल्ली मेरा परदेश

07– आत्मकथा – ओम प्रकाश वाल्मीकि – जूठन का एक अंश

08– व्यंग्य– हरिशंकर परसाई– स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन

सहायक पुस्तकें :–

01– आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना – वासुदेव नन्दन प्रसाद, पटना

02– हिन्दी शब्द मीमांसा – किशोरी प्रसाद बाजपेयी

03– हिन्दी का सामान्य ज्ञान भाग–2, हरदेव बाहरी, लोकभारती, इलाहाबाद।

04– शुद्ध हिन्दी– जगदीश प्रसाद कौशिक

05– अच्छी हिन्दी– रामचन्द्र वर्मा

06– निबन्ध के रूप और तत्व – देवमित्र

हिन्दी भाषा

बी0ए0 तृतीय वर्ष (सेमेस्टर–V)

प्रथम प्रश्न–पत्र : संचार माध्यमों में हिन्दी प्रयोग

क्रेडिट – 5 पूर्णांकः 100

पाठ्य–विषय –

01– जनसंचार माध्यम में भाषा की प्रकृति–

बोधगम्यता एवं सम्प्रेषण की समस्या, मानकीकरण, आधुनिकीकरण और शैलीकरण की समस्या।

02– समाचार पत्रों की हिन्दी–

समसामयिक सूचनाओं का भाषा पर दबाव तथा समाचार–पत्रों की भाषा प्रकार्य की दृष्टि से भाषा के विविध रूप।

03– दूरदर्शन की हिन्दी–

दृश्य–श्रव्य सारणिका, हिन्दी भाषा पर दबाव, मनोरंजन तथा दूरदर्शन और फिल्मों की।

हिन्दी भाषा, आंगिक एवं वाचिक अभिव्यक्ति। संवाद की सहभागिता। फिल्म तथा दूरदर्शन की भाषा में अन्तर।

04– विज्ञापनों की हिन्दी–

विज्ञापनों की दुनियाँ, विज्ञापनों की सफलता में भाषा का योगदान, भाषागत विशेषतायें।

05– आकाशवाणी की हिन्दी –

हिन्दी का विकास और अकाशवाणी की भाषा, मौखिक भाषा की प्रकृति, तान–अनुतान की समस्या, मानक उच्चारण, प्रस्तुतीकरण की स्वाभाविकता, समाचार पठन, भाषा का वैयक्तीकरण।

सन्दर्भ पुस्तकें :–

01– हिन्दी का काव्यात्मक व्याकरण–सहकार प्रकाशन, दिल्ली

02– सम्पादन के सिद्धान्त–रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन

03– प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ वर्णन–अंकुर प्रकाशन, दिल्ली

04– भाषा शिक्षण – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली

05– हिन्दी भाषा का सामाजिक सन्दर्भ – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा

06– हिन्दी भाषा संरचना और प्रयोग – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

07– समाचार–पत्र मुद्रण एवं साज–सज्जा – श्याम सुन्दर शर्मा, मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

08– आधुनिक पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

09– समाचार सम्पादन एवं पृष्ठ सज्जा – रमेश कुमार जैन, यूनिवर्सल बुक कम्पनी, जयपुर

हिन्दी भाषा

बी0ए0 तृतीय वर्ष (सेमेस्टर–V)

द्वितीय प्रश्न–पत्र : अनुवाद–सैद्धान्तिक और व्यावहारिक परिचय

क्रेडिट – 5 पूर्णांकः 100

पाठ्य–विषय –

01– अनुवाद : स्वरूप और क्षेत्र –

अनुवाद का व्यापक सन्दर्भ, अन्तरभाषिक अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवाद का भाषा वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक सन्दर्भ।

02– अनुवाद प्रक्रिया–

अनुवाद प्रक्रिया के तीन पहलू – विश्लेषण, अन्तरण और पुनर्गठन।

अनुवाद की तीन भूमिकायें – पाठन भूमिका और अर्थ ग्रहण की प्रक्रिया।

द्विभाषिक की भूमिका और अर्थान्तरण की प्रक्रिया। रचयिता की भूमिका और अर्थ सम्प्रेषण।

03– अनुवाद के प्रकार –

पाठानुवाद, पूर्ण एवं आंशिक अनुवाद, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पद्यानुवाद एवं गद्यानुवाद।

04– अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष–

साहित्यिक अनुवाद की समस्याएं, वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्यायें, कार्यालयी साहित्य के अनुवाद की समस्यायें।

05– व्यावहारिक पक्ष –

हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद के सरल अंश

सहायक पुस्तकें :–

01– कार्यालयी अनुवाद की समस्यायें – भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली

02– अनुवाद कला – विश्वनाथ अय्यर – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

03– अनुवाद सिद्धान्त और समस्यायें – आलेख प्रकाशन, दिल्ली।

04– अनुवाद कला : कुछ विचार – आनन्द प्रकाश खिमाणी, एस0 चांद एण्ड कम्पनी, दिल्ली।

05– हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद – आलोक कुमार रस्तोगी, जीवन ज्योति प्रकाशन, दिल्ली।

06– अनुवाद प्रक्रिया – रीनारानी पालीवाल, साहित्य निधि प्रकाशन, दिल्ली।

07– अनुवाद विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।

08– अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग – कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज–211010

हिन्दी भाषा

बी0ए0 तृतीय वर्ष (सेमेस्टर–VI)

प्रथम प्रश्न–पत्र : हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग परिचय

क्रेडिट – 5 पूर्णांक 100

प्रथम प्रश्न – अनिवार्य दस लघु उत्तरीय प्रश्न।

इकाई–1 हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं विकास।

इकाई–2 हिन्दी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल की परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकर और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ।

इकाई–3 आधुनिक काल – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता की प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि, गद्य की प्रमुख विधाएँ – कहानी, निबन्ध, उपन्यास, नाटक का उद्‌भव और विकास।

इकाई–4 काव्यांग परिचयः काव्य स्वरूप, काव्य हेतु काव्य प्रयोजन।

1. रस–रस तथा उसके अवयवों का सामान्य परिचय।
2. अलंकार – यमक, श्लेष, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, असंगति, विभावना, विशेषोक्ति, अपहृति, प्रतीप।
3. बरवै, सवैया, रोला, कवित्त, दोहा, चौपाई, सोरठा।

संदर्भ पुस्तकें –

01– हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका–सूर्य प्रसाद दीक्षित, हिन्दी साहित्य संस्थान, लखनऊ।

02– आधुनिक अत्याधुनिक – सूर्य प्रसाद दीक्षित, हिन्दी साहित्य संस्थान, लखनऊ।

03– स्वतन्त्रयोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास (द्वितीय महायुद्धोत्तर)–लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, राजपाल एण्ड सन्स, 1590, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

04– हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

05– हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

06– समकालीन हिन्दी कविता – ए0 अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

07– नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – गजानन माधव मुक्तिबोध, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

08– साहित्य और संस्कृति – मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

09– आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्बविधान – केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

10– साहित्य विधाओं की प्रकृति – सं0 देवीशंकर अवस्थी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

नोट –

पाठ्यक्रम में समावेश किये गए रचनाकारों को प्रस्तावित कविताओं/काव्यांशों के पाठ विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने की दृष्टि से स्वतंत्र संग्रह प्रकाशित करने का प्रस्ताव भी पाठ्यक्रम समिति की इस बैठक में किया गया।

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज–211010

हिन्दी भाषा

बी0ए0 तृतीय वर्ष (सेमेस्टर–VI)

द्वितीय प्रश्न–पत्र : लोकभाषा एवं साहित्य

क्रेडिट – 5 पूर्णांक 100

01–

- लोकभाषा का स्वरूप, अर्थ, विस्तार एवं प्रकृति
- भाषा और बोली में अर्न्तसम्बन्ध
- लोकभाषा के कवियों का सामान्य परिचय
- विविध सामाजिक आन्दोलनों में लोकभाषा का योगदान

02–

- लोक गीत : परिभाषा और लक्षण, लोकगीतों का काव्य सौन्दर्य – रस, अलंकार, बिम्ब, भाषा, प्रतीक, छन्द, और लय।
- लोकगीतों का वर्गीकरण – लोकगीतों के विभिन्न रूपों का परिचय।
- लोकगाथा : परिभाषा और लक्षण, लोकगाथा और लोकगीतों में अन्तर, लोक गाथाओं की उत्पत्ति के सिद्धांत, प्रमुख लोकगाथाओं का परिचय – लोरिकायन, चन्दायन, आल्हा।

03- लोक साहित्य का सामान्य परिचय :
लोक साहित्य : परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण

04- लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य :
लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक सम्बन्ध

05- लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता :
लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता

06- लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन :
लोक साहित्य संकलन, संरक्षण एवं संवर्द्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व।

07- लोक साहित्य की विविध विधाएँः
लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत

08- लोक का प्रकीर्ण साहित्य :
लोकोक्तियाँ, मुहावरे पहेलियाँ–परंपरा एवं महत्व

संदर्भ पुस्तकें –

1. लोक साहित्य और संस्कृति–डॉ0 दिनेश्वर प्रसाद, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज,
2. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग–डॉ0 श्रीराम शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,
3. लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति–डॉ0 उषा सक्सेना, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली,
4. लोक साहित्य की भूमिका–कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज
5. भोजपुरी लोक साहित्य : सांस्कृतिक अध्ययन–डॉ0 श्रीधर मिश्र, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज
6. भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श–डॉ0 वीरेन्द्र सिंह यादव, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली
7. भोजपुरी लोक का अध्ययन–कृष्णदेव उपाध्याय, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी
8. ब्रज की लोक कहानियां–सत्येन्द्र, ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा